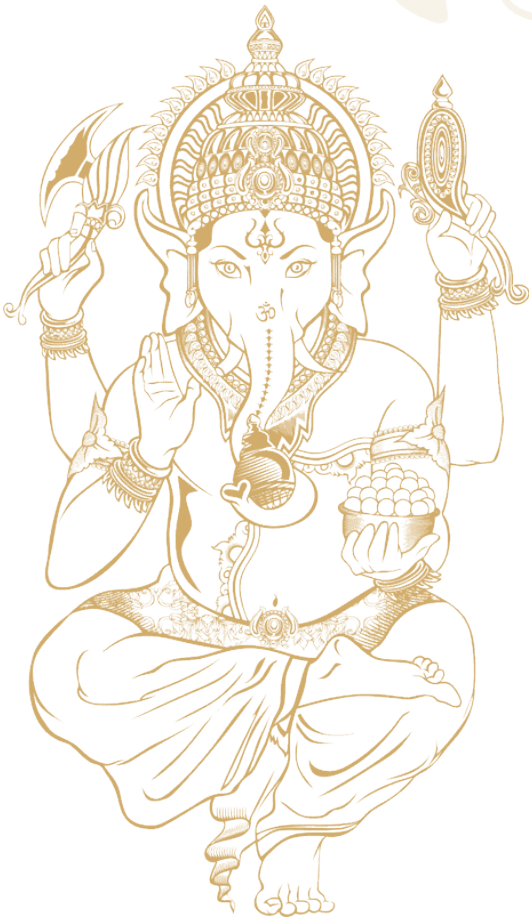

AVESH JYOTI

Model: Horoscope-Matching

Order No: 119072601

Model: Horoscope-Matching

Order No: 119072601 Date: 13/08/2025

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
29/01/1985	जन्म तिथि	22/09/1996
मंगलवार	दिन	रविवार
घंटे 16:45:00	जन्म समय	14:40:00 घंटे
घटी 23:48:36	जन्म समय(घटी)	21:20:51 घटी
India	देश	India
Jubbal	स्थान	Jubbal
31:05:00 उत्तर	अक्षांश	31:05:00 उत्तर
77:40:00 पूर्व	रेखांश	77:40:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:19:20	स्थानिक संस्कार	-00:19:20 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
07:13:33	सूर्योदय	06:07:39
17:51:41	सूर्यास्त	18:15:51
23:38:42	चित्रपक्षीय अयनांश	23:48:43
कर्क	लग्न	धनु
चन्द्र	लग्न लग्नाधिपति	गुरु
मेष	राशि	मकर
मंगल	राशि-स्वामी	शनि
भरणी	नक्षत्र	उत्तराषाढ़ा
शुक्र	नक्षत्र स्वामी	सूर्य
2	चरण	2
शुभ	योग	अतिगण्ड
बव	करण	गर
लू-लूनेश	जन्म नामाक्षर	भो-भोली
कुम्भ	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कन्या
क्षत्रिय	वर्ण	वैश्य
चतुष्पाद	वश्य	जलचर
गज	योनि	नकुल
मनुष्य	गण	मनुष्य
मध्य	नाड़ी	अन्त्य
मृग	वर्ग	मूषक

SHASTRI DEEPANSHU SHARMA
JAY MAA JYOTISH KENDRA HATKOTI
TEH - JUBBAL SHIMLA HIMACHAL PRADESH - 171206
Mob-9418272812
deepanshusharma239139@gmail.com

ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह		राशि	अंश	विंशोत्तरी	
शुक्र 10वर्ष 11मा 2दि		02:42:17	कर्क	लग्न		धनु	27:12:43	सूर्य 4वर्ष 0मा 7दि	
राहु		15:51:37	मक	सूर्य		कन्या	05:49:40	राहु	
02/01/2019		19:23:01	मेष	चंद्र		मक	01:03:46	30/09/2017	
02/01/2037		03:08:47	मीन	मंगल		कर्क	13:58:00	01/10/2035	
राहु	14/09/2021	01:52:57	मक	बुध	व	सिंह	26:42:41	राहु	12/06/2020
गुरु	08/02/2024	04:27:57	मक	गुरु		धनु	14:33:49	गुरु	06/11/2022
शनि	15/12/2026	02:41:57	मीन	शुक्र		कर्क	22:47:34	शनि	12/09/2025
बुध	03/07/2029	03:19:55	वृश्चि	शनि	व	मीन	10:29:53	बुध	31/03/2028
केतु	22/07/2030	00:32:21	वृष	राहु	व	कन्या	14:13:01	केतु	19/04/2029
शुक्र	22/07/2033	00:32:21	वृश्चि	केतु	व	मीन	14:13:01	शुक्र	19/04/2032
सूर्य	15/06/2034	23:09:44	वृश्चि	हर्ष	व	मक	06:57:30	सूर्य	13/03/2033
चन्द्र	15/12/2035	08:50:31	धनु	नेप	व	मक	01:13:13	चन्द्र	12/09/2034
मंगल	02/01/2037	11:05:11	तुला	प्लूटो		वृश्चि	07:01:41	मंगल	01/10/2035

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

23:38:42 चित्रपक्षीय अयनांश 23:48:43

लग्न-चलित

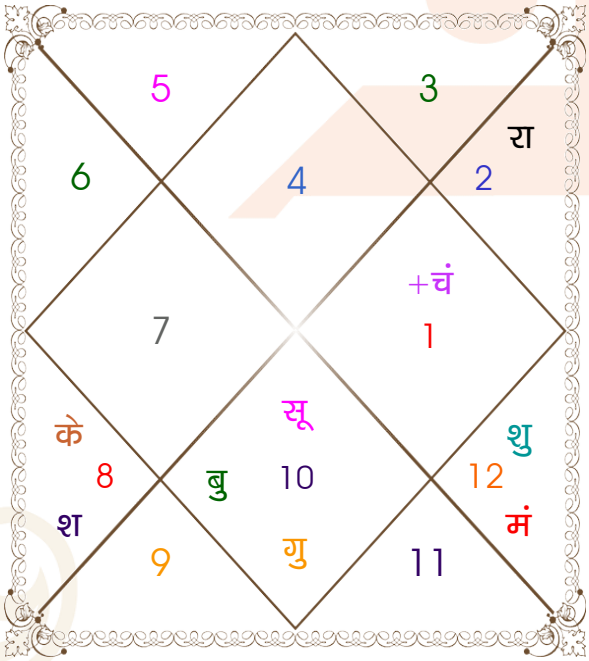

लग्न-चलित

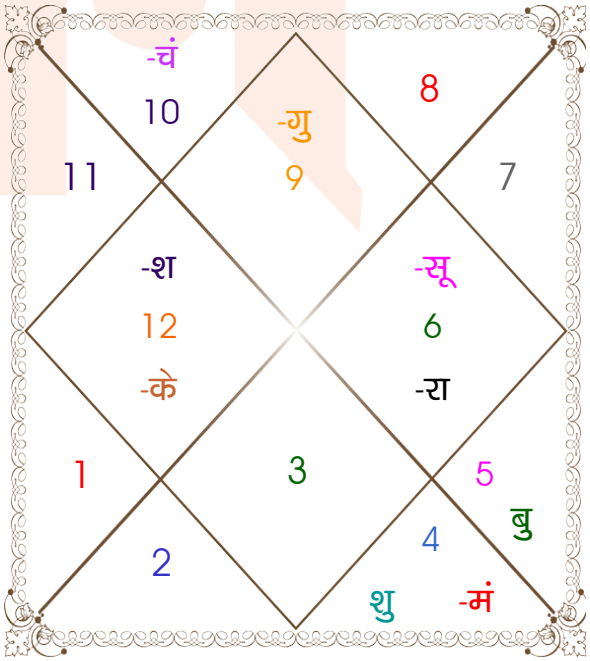

SHASTRI DEEPANSHU SHARMA
JAY MAA JYOTISH KENDRA HATKOTI
TEH - JUBBAL SHIMLA HIMACHAL PRADESH - 171206
Mob-9418272812
deepanshusharma239139@gmail.com

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	क्षत्रिय	वैश्य	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	चतुष्पाद	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	अतिमित्र	सम्पत	3	3.00	--	भाग्य
योनि	गज	नकुल	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	मंगल	शनि	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	मेष	मकर	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	अन्त्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	29.50		

कुल : **29.5 / 36**

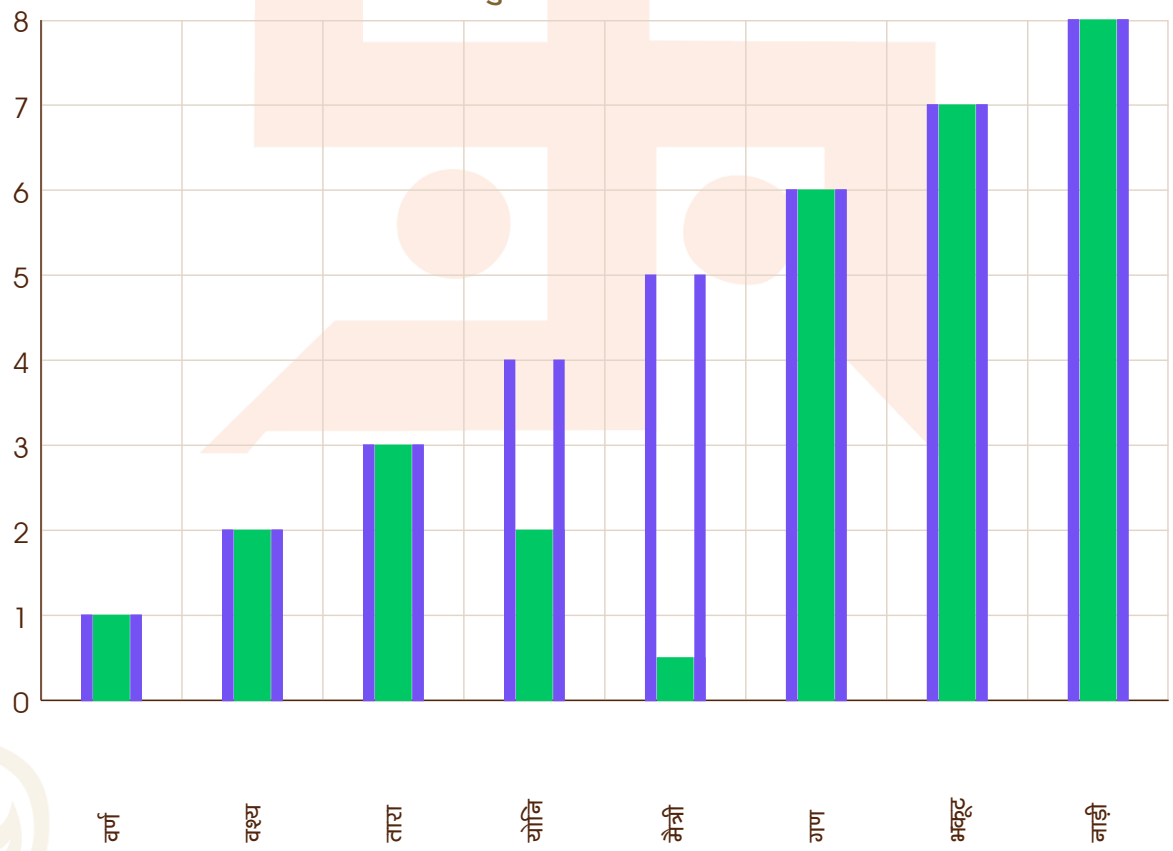

SHASTRI DEEPANSHU SHARMA
JAY MAA JYOTISH KENDRA HATKOTI
TEH - JUBBAL SHIMLA HIMACHAL PRADESH - 171206
Mob-9418272812
deepanshusharma239139@gmail.com

अष्टकूट मिलान

AVESH का वर्ग मृग है तथा JYOTI का वर्ग मूषक है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार AVESH और JYOTI का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

AVESH मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में नवम् भाव में स्थित है।

JYOTI मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है।

भौमेः वक्रिणि नीचगृहे वाऽर्कस्थेऽपि वा न कुजदोषः।

अर्थात् यदि मंगल वक्री, नीच, अस्त का हो तो मंगल दोष नहीं होता है।

ढप्थ;थ्डत्मजतवह;0ब्द्धझ0ब्द्धझ क्योंकि मंगल JYOTI कि कुण्डली में वक्री है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु AVESH कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

AVESH तथा JYOTI में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।

SHASTRI DEEPANSHU SHARMA
JAY MAA JYOTISH KENDRA HATKOTI
TEH - JUBBAL SHIMLA HIMACHAL PRADESH - 171206
Mob-9418272812
deepanshusharma239139@gmail.com

अष्टकूट फलादेश

वर्ण

AVESH का वर्ण क्षत्रिय तथा JYOTI का वर्ण वैश्य है। अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके प्रभाववश JYOTI आज्ञाकारी, सेवा करने वाली तथा विश्वासपात्र होगी। साथ ही JYOTI की हमेशा कम खर्च करके परिवार के लिए पैसे बचाने की आदत रहेगी ताकि जिससे ये पैसे भविष्य में काम आ सकें।

वश्य

AVESH का वश्य चतुष्पद है एवं JYOTI का वश्य भी चतुष्पद है अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके फलस्वरूप AVESH एवं JYOTI दोनों के स्वभाव, पसंद एक समान होंगे तथा आपसी तालमेल काफी अच्छा रहेगा, जिससे परिवार में सुख, शांति एवं समृद्धि का मार्ग प्रशस्त होता रहेगा। दोनों के बीच अत्यधिक प्रेम की भावना भी बनी रहेगी।

तारा

AVESH की तारा अतिमित्र तथा JYOTI की तारा सम्पत है। अतः दोनों की तारा अनुकूल होने के कारण यह मिलान अति उत्तम मिलान है। यह विवाह वैवाहिक जीवन एवं परिवार के लिए चहुंमुखी समृद्धि का मार्ग प्रशस्त करता रहेगा। साथ ही दोनों एक-दूसरे के लिए काफी भाग्यशाली साबित होंगे। AVESH हमेशा JYOTI के साथ मित्रवत व्यवहार करता रहेगा तथा उसे असीम प्रेम एवं प्यार देता रहेगा। इनके बच्चे भी काफी बुद्धिमान, भाग्यशाली, आज्ञाकारी एवं सफल होंगे।

योनि

AVESH की योनि गज है तथा JYOTI की योनि नकुल है। अर्थात दोनों की योनि समान नहीं हैं और इनके बीच उदासीनता का अर्थात सम संबंध है। अतः यह मिलान औसत मिलान कहलायेगा। जिसके कारण दोनों के बीच आपसी समझबूझ का अभाव रहेगा तथा जीवन में सहयोग की भावना एवं प्रेम का अभाव भी बना रहेगा। दोनों के बीच अक्सर लड़ाई झगड़े होंगे तथा परिवार में तनाव तथा अशांति का भाव भी रह सकता है। साथ ही दोनों के बीच अविश्वास की भावना भी बनी रहेगी। दोनों एक दूसरे को संदेह की भावना से देखेंगे जिससे दोनों के बीच कटुता का भाव भी पैदा होगा। दोनों के बीच आपसी समझ की कमी भी रहेगी अतः दोनों के बीच वैचारिक मतभेद भी हो सकते हैं। संभव है कि दोनों के बीच अवैध संबंध को लेकर संदेह की भावना बन जाये जिसके कारण पारिवारिक तनाव भी हो सकता है। बात-बात में दोनों के बीच में कभी कभी तर्क-वितर्क की जगह कुतर्क भी हो सकता है। वर या कन्या में से कोई भी विश्वासघात भी कर सकता है। जिसके कारण दोनों के बीच लड़ाई झगड़ा भी हो सकता है। इनको अपने जीवन में अत्याधिक संघर्ष के उपरांत ही सफलता प्राप्त होगी अतः कठिन परिश्रम की आवश्यकता पड़ेगी। इसके बावजूद इनको अपने जीवन में सफलता कम ही मिलेगी। अर्थात मेहनत अधिक और परिणाम कम ही मिलने की संभावना है। जिसके कारण

SHASTRI DEEPANSHU SHARMA
JAY MAA JYOTISH KENDRA HATKOTI
TEH - JUBBAL SHIMLA HIMACHAL PRADESH - 171206
Mob-9418272812
deepanshusharma239139@gmail.com

दोनों को समय-समय पर मानसिक पीड़ा होती रहेगी। पारिवारिक आय औसत ही रहेगी। अर्थात धनागम के स्रोत कम ही रहेंगे। पति-पत्नी के बीच विचारों में भिन्नता होगी एवं जीवन में उतार-चढ़ाव बने रहेंगे। दोनों लापरवाह प्रवृत्ति के होंगे किंतु परिवार के प्रति कर्तव्यनिष्ठ रहेंगे। दोनों के बीच रोमांस एवं सेक्स में रुचि की कमी भी रह सकती है। कई बार वाद-विवाद में तर्क-वितर्क होते रहेंगे। जिसके कारण समय-समय पर धन हानि भी हो सकती है। आपस में प्रेम एवं सौहार्द्र की भी कमी रहेगी। इस प्रकार इनका वैवाहिक जीवन बहुत अच्छा न रहकर निम्न सामान्य स्तर का ही होगा।

मैत्री

अष्टकूट मिलान में ग्रह मैत्री कूट में AVESH का राशि स्वामी JYOTI के राशि स्वामी से सम का संबंध रखता है। जबकि JYOTI का राशि स्वामी AVESH के राशि स्वामी के साथ शत्रु का संबंध रखता है। अतः यह मिलान ग्रह मैत्री के विचार से खराब मिलान है। ज्योतिष की दृष्टि से यदि एक साथी का राशि स्वामी दूसरे के लिए सम किंतु दूसरा उसे शत्रु मानता हो तो ऐसा कुंडली मिलान अच्छा नहीं माना जाता है। दोनों के बीच अक्सर लड़ाई-झगड़ा, तनाव, मतभेद, एवं बहसबाजी का भाव बना रह सकता है। ऐसा भी हो सकता है कि यह बहस कभी-कभी हिंसक रूप धारण कर ले। जिससे शारीरिक चोट एवं मुकदमेबाजी के कारण आर्थिक हानि हो सकती है।

गण

AVESH का गण मनुष्य तथा JYOTI का गण भी मनुष्य ही है। अर्थात दोनों का गण समान है। अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके कारण दोनों के स्वभाव एक जैसे होंगे। दोनों भौतिक सुखों के आकांक्षी, परिश्रमी, बुद्धिमान, व्यावहारिक तथा मिलनसार रहेंगे। तथा साथ मिलकर अपने सभी दायित्वों का निर्वहन करेंगे।

भकूट

AVESH से JYOTI की राशि दशम भाव में स्थित है तथा JYOTI से AVESH की राशि चतुर्थ भाव में स्थित है जिसके कारण यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके कारण AVESH एक पारिवारिक व्यक्ति होंगे तथा अपनी पत्नी एवं बच्चों समेत परिवार के हर सदस्य की देखभाल करेंगे। उन्हें अपने संबंधियों से ही खुशी प्राप्त होगी तथा उनकी पत्नी सदैव कर्त्तव्यों के निर्वहन में उनकी मदद करती रहेंगी। JYOTI को घर, वाहन, मां का प्यार समेत जीवन में हर सुख एवं खुशी प्राप्त होगी। JYOTI हमेशा अपने पति की परछाईं बनकर सदैव उनकी सहायता करती रहेंगी।

नाड़ी

AVESH की नाड़ी मध्य है तथा JYOTI की नाड़ी अन्त्य है। अर्थात दोनों की नाड़ी समान नहीं है, जो कि अष्टकूट मिलान की दृष्टि से दोष मुक्त है। अर्थात यह मिलान अति उत्तम मिलान है। यह जीवन के लिए आवश्यक दो महत्वपूर्ण अवयवों का समन्वय है। अच्छे

SHASTRI DEEPANSHU SHARMA
JAY MAA JYOTISH KENDRA HATKOTI
TEH - JUBBAL SHIMLA HIMACHAL PRADESH - 171206
Mob-9418272812
deepanshusharma239139@gmail.com

स्वास्थ्य, स्वस्थ काया एवं अच्छे यौन जीवन के लिए वात, पित्त एवं कफ का शरीर में संतुलन आवश्यक है। जिसके कारण AVESH एवं JYOTI के बीच साहचर्य, सुख एवं समृद्धि की वृद्धि तथा उन्हें अच्छे, स्वस्थ एवं आज्ञाकारी संतान प्रदान होगी।

SHASTRI DEEPANSHU SHARMA
JAY MAA JYOTISH KENDRA HATKOTI
TEH - JUBBAL SHIMLA HIMACHAL PRADESH - 171206
Mob-9418272812
deepanshusharma239139@gmail.com

मेलापक फलित

स्वभाव

AVESH की राशि मेष तथा JYOTI की राशि मकर है। मेष राशि अग्नि तत्व तथा मकर राशि पृथ्वी तत्व युक्त है। अतः AVESH और JYOTI के मध्य पर्याप्त वैचारिक मतभेद होंगे जिससे परस्पर स्नेह एवं अपनत्व के भाव में न्यूनता रहेगी। अतः मिलान परस्पर सामंजस्य से ही उत्तम हो सकता है।

AVESH की राशि का स्वामी मंगल तथा JYOTI की राशि का स्वामी शनि है। JYOTI की राशि से AVESH का राशि स्वामी सम परन्तु AVESH का स्वामी राशि JYOTI की राशि स्वामी का शत्रु है । अतः इसके प्रभाव से AVESH और JYOTI दोनों स्वकेंद्रित व्यक्तित्व होंगे तथा अपने परिश्रम योग्यता एवं प्रयासों से कार्यो को सिद्ध करने में तत्पर रहेंगे। साथ ही आर्थिक मामलों में यदा कदा मतभेदों की भी संभावना रहेगी अतः असहमतियों में न्यूनता करके ही इनका मिलान उत्तम हो सकता है।

AVESH की राशि JYOTI की राशि से चतुर्थ तथा JYOTI की राशि AVESH की राशि से दशम भाव में है। अतः यह शुभ भकूट है। इसके प्रभाव से इनके उपरोक्त वैचारिक मतभेदों तथा अन्यत्र अंतर होते हुए भी संबधों में मधुरता का भाव उत्पन्न हो सकता है। इस मामले में JYOTI की सक्रियता सकारात्मक फल प्रदान करेगी तथा परस्पर स्नेह के भाव में वृद्धि होगी।

AVESH का वश्य चतुष्पद तथा JYOTI का वश्य जलचर है। अतः इन स्वाभाविक अभिरूचियां समान रहेंगी तथा परस्पर एक दूसरे को प्रसन्न एवं सन्तुष्ट करने में समर्थ रहेंगे। यद्यपि यदा कदा AVESH के कारण इसमें किंचित न्यूनता आ सकती है लेकिन सामान्यतया शारीरिक मानसिक एवं भावनात्मक रूप से आप एक दूसरे को सन्तुष्ट रखेंगे तथा सुख के क्षणों की भी प्राप्ति होगी।

AVESH का वर्ण क्षत्रिय है तथा JYOTI का वर्ण वैश्य है। अतः इनकी कार्य क्षमताओं में विभिन्नता रहेगी। जहां AVESH साहसी एवं पराक्रमी कार्यो को सम्पन्न करेंगी वहीं JYOTI धनार्जन के प्रति विशेष रूचिशील रहेंगी तथा व्यावहारिक दृष्टि से अपने अधिकांश कार्यो को सम्पन्न करेंगी।

धन

AVESH का जन्म अतिमित्र तथा JYOTI का सम्पत नामक तारा में हुआ है। इसके प्रभाव से JYOTI एक धनवान तथा भाग्यशाली महिला होंगी तथा JYOTI के शुभ प्रभाव से उनकी आर्थिक स्थिति में नित्य वृद्धि होती रहेगी। भकूट का प्रभाव इनकी आर्थिक स्थिति पर सम रहेगा। अतः स्वपरिश्रम से ही इच्छित धन एवं लाभ अर्जित करने में समर्थ रहेंगे। साथ ही मंगल का भी कोई विशेष दुष्प्रभाव नहीं होगा। इस प्रकार AVESH और JYOTI आरामदायक जीवन व्यतीत करने में समर्थ होंगे।

SHASTRI DEEPANSHU SHARMA
JAY MAA JYOTISH KENDRA HATKOTI
TEH - JUBBAL SHIMLA HIMACHAL PRADESH - 171206
Mob-9418272812
deepanshusharma239139@gmail.com

AVESH और JYOTI को लाटरी, सट्टे या अन्य स्रोतों से अनायास धन प्राप्ति की संभावना होगी। साथ ही विभिन्न प्रकार के भौतिक संसाधनों का वे उपभोग करने में सफलता प्राप्त करेंगे। इसके अतिरक्त वे जायदाद तथा आभूषण आदि को भी अर्जित करने में समर्थ होंगे।

स्वास्थ्य

AVESH की नाड़ी मध्य तथा JYOTI की नाड़ी अन्त्य है अतः अलग अलग नाड़ी होने के कारण इनके स्वास्थ्य पर इसका कोई प्रभाव नहीं होगा तथा सामान्यतया स्वास्थ्य अनुकूल ही रहेगा परन्तु मंगल के प्रभाव से AVESH का स्वास्थ्य प्रभावित रहेगा। इससे वह रक्त तथा पित संबंधी परेशानी प्राप्त करेंगे एवं हृदय रोग से भी यदा कदा कष्ट की प्राप्ति होगी। साथ ही दाम्पत्य जीवन में संभोग शक्ति की अल्पता का भी आभास होगा जिससे जीवन में कलह तथा अशांति उत्पन्न होगी। अतः मंगल के दुष्प्रभाव से सुरक्षित रहने के लिए AVESH को नियमित रूप से हनुमानजी की उपासना करनी चाहिए तथा मंगलवार के व्रत भी करने चाहिए।

संतान

संतति की दृष्टि से AVESH और JYOTI का मिलान उत्तम रहेगा। इसके प्रभाव से AVESH और JYOTI को उचित समय पर संतति प्राप्ति होगी तथा इसमें किसी भी प्रकार से विलम्ब या व्यवधान नहीं होगा। साथ ही बच्चों के मध्य अंतर भी अनुकूल रहेगा जिससे उचित मात्रा में उनका पालन पोषण करने का अवसर प्राप्त होगा। इसके अतिरिक्त AVESH और JYOTI के पुत्र एवं कन्याओं की संख्या बराबर रहेगी।

JYOTI का प्रसव सामान्य रूप से होगा तथा इसमें उन्हें किसी भी प्रकार से परेशानी या कष्ट का सामना नहीं करना पड़ेगा। साथ ही किसी प्रसूति संबधी चिकित्सा की भी आवश्यकता नहीं रहेगी। अतः JYOTI के मन में इसके प्रति जो अनावश्यक भय या चिन्ताएं रहती है उसको दूर कर देना चाहिए तथा नियमित रूप से गर्भावस्था में डाक्टरी परीक्षण करवाने चाहिए। इस प्रकार JYOTI सुदंर स्वस्थ एवं आकर्षक बच्चों को जन्म देने में सफल होंगी तथा स्वयं भी शांति तथा स्वस्थता की अनुभूति करेंगी।

बच्चों के द्वारा AVESH और JYOTI को पूर्ण सन्तुष्टि मिलेगी तथा अपनी योग्यता बुद्धिमता एवं व्यवहार कुशलता से वे अपने क्षेत्र में प्रसिद्धि प्राप्त करेंगे यद्यपि माता पिता के वे आज्ञाकारी रहेंगे तथा उनकी इच्छा के विरूद्ध कोई भी कार्य नहीं करेंगे तथापि माता के प्रति उनके मन में विशेष लगाव तथा सम्मान का भाव रहेगा तथा उनकी आज्ञा पालन करने में सर्वदा तत्पर रहेंगे। इस प्रकार AVESH और JYOTI का पारिवारिक जीवन सुख तथा शांति से पूर्ण रहेगा तथा प्रसन्नता पूर्वक वे अपना समय व्यतीत करेंगे।

ससुराल-सुश्री

JYOTI के सास के साथ संबध विशेष अच्छे नहीं रहेंगे। साथ ही आयु में पर्याप्त अन्तर होने के कारण इन के मध्य अनावश्यक मतभेद रहेंगे। लेकिन यदि दोनों परस्पर

सामंजस्य एवं बुद्धिमता से व्यवहार करेंगे तो संबधों में मधुरता की वृद्धि होगी तथा तनाव में न्यूनता आएगी।

ससुर से भी JYOTI को इच्छित स्नेह तथा सहानुभूति अल्प मात्रा में ही प्राप्त होगी। अतः JYOTI को चाहिए कि ससुर की सेवा, सुख सुविधा तथा आराम का पूर्ण ध्यान रखें। इससे उनसे स्नेह के भाव में वृद्धि हो सकती है। लेकिन देवर तथा ननदों के साथ JYOTI के संबध अच्छे रहेंगे तथा परस्पर सार्थक सामंजस्य का भाव रहेगा तथा मित्रता पूर्ण व्यवहार करके उनसे स्नेह तथा सहानुभूति को प्राप्त करेंगी। इन संबधों से JYOTI सास ससुर से भी इच्छित स्नेह की प्राप्ति करने में समर्थ हो सकती है इस प्रकार ससुराल में इनका जीवन सामान्यतया सुखी ही रहेगा।

ससुराल-श्री

AVESH के अपने सास ससुर से संबध विशेष अच्छे नहीं रहेंगे तथा परस्पर तनाव तथा मतभेद बने रहेंगे जिसका मुख्य कारण इन के मध्य आयु का अधिक अंतर रहेगा। इससे इनके मध्य सैद्धांतिक तथा वैचारिक मतभेद सामान्य रूप से विद्यमान रहेंगे। लेकिन यदि AVESH तथा उनके सास ससुर परस्पर सामंजस्य को स्थापित करके व्यवहार करें तो उपरोक्त मतभेदों तथा समस्याओं में काफी न्यूनता हो सकती है।

साथ ही साले एवं सालियों से भी कई क्षेत्रों में असहमति रहेगी तथा संबध विशेष मधुर नहीं रहेंगे फलतः आपस में स्नेह सहयोग एवं सहानुभूति के भाव की न्यूनता रहेगी। अतः इन्हें चाहिए कि बुद्धिमता एवं सामंजस्य युक्त प्रवृति से मतभेदों तथा समस्याओं का समाधान करें तथा मित्रता का भाव भी रखें। इससे उपरोक्त मतभेदों में अल्पता आएगी तथा मधुर संबधों में वृद्धि भी होगी।

इस प्रकार सामान्य रूप से AVESH के ससुराल वालों का दृष्टिकोण उनके प्रति अपेक्षित नहीं रहेगा। अतः उन्हें चाहिए कि दामाद के प्रति अपने दृष्टिकोण को विनम्र तथा सहयोग के भाव से युक्त बनाएं।

SHASTRI DEEPANSHU SHARMA
JAY MAA JYOTISH KENDRA HATKOTI
TEH - JUBBAL SHIMLA HIMACHAL PRADESH - 171206
Mob-9418272812
deepanshusharma239139@gmail.com